

अंतर्विष्ट करने वाली निम्नलिखित घोषणा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :-

### घोषणा

देरख राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन ।

‘निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 84 के उपनियम (1) के खंड (क) के साथ पठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 86 में अंतर्विष्ट उपबन्धों के अनुतरण में मैं घोषणा करता हूँ कि :—

श्री पी.के. कुंजाचन (नाम)

पीस डेन, थीटामल चीगान्हूर (पता)

जो भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माक्सवादी) (माल्यता प्राप्त/रजिस्ट्रीड कृत राजनीतिक पार्टी का नाम) द्वारा खड़े किए गए हैं ।

उस सदन में श्री टी.के.सी. बट्टाला की मृत्यु के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिए सम्पूर्ण रूप से निर्वाचित हो गए हैं ।

हस्ता ./-

स्थान : लिवेन्सम (अपठनीय)

तारीख : 16 अगस्त, 1988 रिटार्निंग ऑफिसर”

[फा.सं. 13(3)/88 - विधायी -II]

मा.के. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 22 August, 1988

### NOTIFICATION

S. O. 779 (E) :—In pursuance of section 67 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the following declaration containing the name

of the candidate elected to fill the vacancy in the Council of states in published for general information :-

### DECLARATION

**Election to the Council of States by the elected members of Legislative Assembly of Kerala.**

"In pursuance of the provisions contained in section 66 of the Representation of the People Act, 1951, Head with clause (a) of sub-rule (1) of rule 84 of the Conduct of Elections Rules, 1961, I declare that —

Shri P. K. Kunjachan (Name)

Peace Den, Thittamel, Chengannur (Address)

sponsored by Communist Party of India (Marxist) ..... (Name of the recognised/registered political party) has been duly elected fill the vacancy caused in that House by the death of Sri T. K. C. Vaduthala.

Sd/-

(Iligible)  
Returning Officer."

Place : Trivandrum,

Date : August 16, 1988.

[F. No. 18 (3) | 88-Leg. II]

M. K. RAMASWAMY, Jt. Secy.





HO  
3/4/29.

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 425]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 22, 1988/आषाढ 31, 1910

No. 425]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 22, 1988/SAVANA 31, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली छाप है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation**

वित्त भंग्रालय

(अधिकारी कार्य विभाग)

प्रधिकारिताएँ

बीमा

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1988

का.पा. 780(प्र) ---केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबाह (पार्टीकारण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17का द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, साधारण बीमा (पर्यावरकीय, लिपिकीय और अद्वीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुधारकारण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1874 में और संशोधन करने के लिए विस्तरित स्कीम बनाती है, अर्थात् :--

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यावरकीय लिपिकीय और अद्वीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुधारकारण और पुनरीक्षण) द्वितीय संशोधन स्कीम, 1988 है।

(2) यह मई, 1988 के 10वें दिन प्रदूस द्वारा समझी जाएगी।

2. साधारण बीमा (पर्यावरकीय, लिपिकीय और अद्वीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुधारकारण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 की चौथी अनुसूची में, भद्र 7 के खण्ड (1) में यारी के खण्ड (क) में, "पणजी तथा मारमुण्ड का शहरी समूह" शर्तों के स्थान पर, "गोका राज्य का कोई नगर" शब्द रखे जाएंगे।

[फ. म. 114 (3) बी-88]

स्पष्टीकरण आपत्ति

केन्द्रीय सरकार ने गोका राज्य के किसी नगर में तैनात भारत के साधारण बीमा नियम के कर्मचारियों को 19 मई, 1988 से सम्मान द्वारा पट नगर प्रतिकारणमवा भूता भी मंजूरी को अनुमोदन दे दिया है। तदनुसार, इसको प्रकाशी करने के लिए साधारण बीमा (पर्यावरकीय, लिपिकीय और अद्वीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुधारकारण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 में 19 मई, 1988 से संशोधन दिया जा रहा है।

3. यह प्रमाणित भिया जाता है कि भारत के साधारण बीमा नियम के किसी कर्मचारी के हितों पर भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने के कारण कोई प्रतिकूल प्रभाव पहने की समावना नहीं है।